भजन

तर्ज–उनके ख्याल आए तो आते चले गए

जी भर के आज आपका दीदार कर तो लूं
कदमों में आके इश्क का इजहार कर तो लूं

1– इश्के हैयात हमको पिलाइये मेरे हजूर
दिल की बेताबियों पर इख्तयार कर तो लूं

2– दस्ते करम बढ़ा कर हमें थाम लीजिए
मदहोश अपने आप को सरकार कर तो लूं

3– तुमसे बिछुड़ के हम तो पशेमां बहुत हुये
दर्दे जिगर की बातें दो चार कर तो लूं

4– इश्के सैलाब आपका यूं ही रहे रवां
अपनी नजर में आपका ये प्यार भर तो लूं